विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत   दिनांक 12-01-2021

वर्ग षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

व्यंजन संधि - हल् संधि - संस्कृत व्याकरण

व्यंजन का स्वर या व्यंजन के साथ मेल होने पर जो परिवर्तन होता है , उसे व्यंजन संधि कहते है। उदाहरण- उत + उल्लास = उल्लास अप + ज = अब्ज।

संस्कृत में संधियां तीन प्रकार की होती हैं-

स्वर संधि - अच् संधि

व्यंजन संधि - हल् संधि

विसर्ग संधि

इस पृष्ठ पर हम व्यंजन संधि (हल् संधि) का अध्ययन करेंगे !

व्यंजन संधि (हल् संधि) के प्रकार -

श्चुत्व संधि - स्तो श्चुनाश्चु

ष्टुत्व संधि - स्तो ष्टुनाष्टु

जश्त्व संधि - झालम् जशोऽन्ते

संस्कृत में संधि के इतने व्यापक नियम हैं कि सारा का सारा वाक्य संधि करके एक शब्द स्वरुप में लिखा जा सकता है। उदाहरण -

ततस्तमुपकारकमाचार्यमालोक्येश्वरभावनायाह ।

अर्थात् - ततः तम् उपकारकम् आचार्यम् आलोक्य ईश्वर-भावनया आह ।

व्यंजन संधि के नियम-

व्यंजन संधि के काफी नियम हैं, पर नियमों के जरीये इन्हें सीखना याने इन्हें अत्यधिक कठिन बनाने जैसाहोगा

! इस लिए केवल कुछ उदाहरणों के ज़रीये इन्हें समजने का प्रयत्न करते हैं!

प्रकार - 1

ग्रामम् + अटति = ग्राममटति

देवम् + वन्दते = देवं वन्दते

प्रकार - 2

ग्रामात् + आगच्छति = ग्रामादागच्छति

सम्यक् + आह = सम्यगाह

परिव्राट् + अस्ति = परिव्राडस्ति

प्रकार - 3

सन् + अच्युतः = सन्नच्युतः

अस्मिन् + अरण्ये = अस्मिन्नरण्ये

प्रकार - 4

छात्रान् + तान् = छात्रांस्तान्

प्रकार - 5

अपश्यत् + लोकः = अपश्यल्लोकः

तान् + लोकान् = ताँल्लोकान्

प्रकार - 6

एतत् + श्रुत्वा = एतच्छ्रुत्वा

वृक्ष + छाया = वृक्षच्छाया

आ + छादनम् = आच्छादनम्

प्रकार - 7

अवदत् + च = अवदच्च

षट् + मासाः = षण्मासाः

प्रकार - 8

सम्यक् + हतः = सम्यग्घतः / सम्यग् हतः

एतद् + हितम् = एतद्धितम् / एतद्हितम्